***Date*:** 08-12-2021
***Publication*:** Dainik Jagran
***Edition*:** Dhanbad
***Entity*:** Coal India Limited

अमेरिकी तकनीकी का सहारा लेगी कोल इंडिया

- भूमिगत खदान विकसित करने में अमेरिकी तकनीक पर मांगा प्लान
- पर्यावरण और सुरक्षा को लेकर कई योजनाओं पर हो रहा है काम

जागरण संवाददाता, धनबाद : भारत में क्लीन कोल व डीप भूमिगत की बेहतर तकनीक के उपयोग को लेकर कोल इंडिया गंभीर हो गई है। मंगलवार को अमेरिकी महावाणिज्य दूत की अधिकारी मेलिंडा पावेक ने अपने सहयोगी कोलकाता कोल इंडिया मुख्यालय का दौरा किया। तकनीकी निदेशक विनय दयाल ने बताया कि प्रदूषण व पर्यावरण को देखते हुए कोल इंडिया कई योजनाओं पर काम कर रही है।

डीप भूमिगत माइंस को कैसे विकसित किया जाए, इस पर काम हो रहा है। अमेरिकी टीम से नए तकनीक के बारे में जानकारी ली जा रही है। क्लीन कोल को लेकर भी विस्तार से चर्चा होने के बाद उन से प्लान मांगा गया है। वहीं कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि कोल इंडिया हर प्लान पर काम कर रही है। पर्यावरण व सुरक्षा को लेकर जो भी बेहतर तकनीक होगी इसका उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कामगारों की सुरक्षा हमारी जिम्मेवारी है। साथ ही हमें यह भी कोशिश करनी है कि कोयला उत्पादन के दौरान पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचे।

कोलकाता में कोल इंडिया के अधिकारियों संग बैठक करतीं मेलिंडा पावेक ● जागरण

सीएमपीएफ पेंशन पर अध्ययन करने के लिए बनी कमेटी

जागरण संवाददाता, धनबाद : कोयला खान भविष्य निधि संगठन में पेंशन मद में दस वर्ष बाद 37 हजार करोड फंड की कमी हो जाएगी। एक्यचुअरी की रिपोर्ट के बाद कोयला सचिव ने इसके लिए उच्च स्तरीय कमेटी अध्ययन के लिए बनाई है, जिसमें वित्त मंत्रालय के संयुक्त सचिव निरुमा कटरू चेयरमैन होंगी। कमेटी को तीन माह में पूरी रिपोर्ट तैयार करनी है। सीएमपीएफ आयुक्त अनिमेष भारती ने बताया कि कमेटी की बैठक इसी माह के अंत तक होगी। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। कमेटी में कोल इंडिया डीपी विनय रंजन, कोल इंडिया डीएफ सिमरण दत्ता, डीपी बीसीसीएल पीवीआरकेएम राव व एमसीएल डीएफ को रखा गया है। तीन माह में कमेटी को रिपोर्ट देनी है।

***Date*:** 08-12-2021
***Publication*:** Orissa Post
***Edition*:** Bhubaneswar
***Entity*:** Coal India Limited, Mahanadi Coalfields Ltd

CIL produces 353 MT coal in April-Nov, supplies 421 MT

POST NEWS NETWORK

Bhubaneswar, Dec 7: The world's largest coal producer Coal India Limited (CIL) has registered 353.4 million tonne (MT) of coal production during the period of April to November, 2021, according to CIL's report. The production was 334.5 MT during the same period of previous year.

The report also suggests that CIL produced about 53.8 MT of coal in the month of November, 2021, posting 4.1% growth in the same month. CIL had produced 51.7 MT of coal during the corresponding month previous year.

Among all CIL subsidiaries, Mahanadi Coalfields Limited (MCL) posted highest coal production in November. According to the report, MCL produced 14.9 MT in the same month registering 16.2% monthly growth. The CIL subsidiary had produced 12.8 MT in the same month of the previous year.

Overall, MCL's total coal production now reached 100.3 MT during April to November, 2021. It has gained 14.3% growth as compared to same period of the previous fiscal.

Moreover, the report revealed that CIL supplied 56.8 MT of coal in November surpassing the set target for the same month. The growth was 10.8 %. During the period of April to November, CIL supplied 421.1 MT to its customers compared to 357.1 MT during same period of the previous fiscal.

The subsidiary MCL alone supplied 112.7 MT to its customers during April to November, 2021 registering 21.6% growth.

***Date*:** 08-12-2021
***Publication*:** The Financial Express
***Edition*:** Ahmedabad

Coal output at 67.84 MT in November

INDIA'S COAL OUTPUT increased 10.35% to 67.84 million tonne (MT) in the month of November. The country's coal output stood at 61.47 MT in November 2019, the coal ministry said in a statement. Out of the total production in November, Coal India achieved a growth of 7.60% by producing 53.80 MT. **— PTI**

***Date*:** 08-12-2021
***Publication*:** Prabhat Khabar
***Edition*:** Dhanbad

कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने को कोल इंडिया अपनायेगी मैकेनाइज्ड लोडिंग

सत्येंद्र सिंह, धनबाद

- कोयला ढुलाई में बचेगा खर्च, पर्यावरण भी शुद्ध रहेगा
- दो जगह करायी गयी पायलट स्टडी, उत्साहजनक मिले परिणाम

कोल इंडिया लिमिटेड कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ 2) का उत्सर्जन कम करने के लिए कोयले की मैकेनाइज्ड (मशीनीकृत) लोडिंग को बढ़ावा देगी. इससे खर्च में तो कमी आयेगी ही, यह पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी अच्छा है. मैकेनाइज्ड लोडिंग से सीओ 2 उत्सर्जन का परिणाम जानने के लिए कोल इंडिया प्रबंधन ने हाल ही में दो अनुषंगी कंपनियों एसइसीएल के गेवरा एवं एमसीएल के लिंगराज प्रोजेक्ट में पायलट स्टडी कराया था. इसके परिणाम उत्साहजनक मिलने पर कंपनी ने मैकेनाइज्ड लोडिंग बढ़ाने का फैसला लिया. यह जानकारी कोल इंडिया के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने दी. उनके मुताबिक वर्तमान में 151 एमटी कोयले की लोडिंग कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) से हो रही है. वर्ष 2023-24 तक इसे बढ़ाकर 215 एमटी करने का लक्ष्य है. इसके लिए 35 प्रोजेक्ट चिह्नित किये गये हैं. मैकेनाइज्ड लोडिंग बढ़ाने के लिए कंपनी 10500 करोड़ रुपये खर्च करेगी.

सीएसआइआर की इकाई से करार : कोल इंडिया ने मैकेनाइज्ड लोडिंग पर पायलट स्टडी के लिए वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) की अनुषंगी इकाई राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान से करार किया है. उक्त संस्थान ने एसइसीएल के गेवरा परियोजना एवं महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) की लिंगराज परियोजना में अध्ययन शुरू किया.

गेवरा में 1658 व लिंगराज में 10288 टन कम हुआ कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन : पायलट स्टडी के तहत एसइसीएल के गेवरा प्रोजेक्ट व एमसीएल के लिंगराज प्रोजेक्ट में CO_2 उत्सर्जन में काफी कमी मिली. गेवरा प्रोजेक्ट की क्षमता प्रति वर्ष 10 एमटी है. यहां सीएचपी से लोडिंग में 1658 टन CO_2 उत्सर्जन कम हुआ, जो रेलवे साइडिंग में लोडिंग के मुकाबले 21 प्रतिशत कम है. वहीं 26.95 लाख लीटर डीजल की बचत हुई. परिवहन लागत व डीजल का मूल्य करीब 65 करोड़ रुपये की बचत हुई.

इधर लिंगराज प्रोजेक्ट स्थित सीएचपी की क्षमता प्रति वर्ष 16 एमटी है. यहां 10288 टन CO_2 उत्सर्जन कम हुआ, जो रेलवे साइडिंग के मुकाबले 54 फीसदी कम था. वहीं 58.38 लाख लीटर डीजल की बचत हुई. परिवहन लागत व डीजल का मूल्य लगभग 105 करोड़ रुपये बचे.

वर्तमान में कैसे होती है लोडिंग

वर्तमान में कोयला फेस (जहां उत्खनन होता है) से भारी डंपर से प्रोजेक्ट स्थित डंप ले जाया जाता है. फिर यहां से कोयला डंपर के माध्यम से नजदीकी रेलवे साइडिंग ले जाया जाता है. साइडिंग में रेलवे रैक में पेलोडर से कोयला लोड होता है. जबकि सीएचपी से कोयला लोडिंग होने पर कोयला रेलवे साइडिंग नहीं ले जाना पड़ेगा. कोल इंडिया ने सीएचपी को रेल लाइन से जोड़ने की कवायद शुरू कर दी है.

***Date*:** 10-12-2021
***Publication*:** Deccan Chronicle
***Edition*:** Chennai

CIL coal supply to power sector up 23% in Apr-Nov.

Despatch of coal by state-owned CIL to the power sector increased 22.5 per cent to 340 million tonne (mt) during April-November this year against 277.4 mt in the year-ago period. "At a thumb rule specific coal consumption of 0.67 Kg, that is the quantity of coal required to generate one unit of power, CIL's coal helped generate 507.46 billion units (BU) of power during the referred period.

***Date*:** 10-12-2021
***Publication*:** The New Indian Express
***Edition*:** Chennai

APR-NOV 2021

CIL dispatches 340 MT fuel to coal-based power plants

ENS ECONOMIC BUREAU @ New Delhi

GOVERNMENT-OWNED Coal India Limited (CIL) on Thursday informed that despite recent mismatch between demand and supply, supplies from the company propelled coal based power generation growth by 22.5% during April-November 2021. It dispatched 340 MTs fuel to coal based power plants during the period.

CIL said in a statement that this dispels the notion that the recent mismatch between unprecedented coal demand and supply may have affected the power output.

"At a thumb rule specific coal consumption of 0.67 Kg, that is the quantity of coal required to generate one unit of power, CIL's coal helped generate 507.46 Billion Units (BU) of power during the referred period spurring 22.5% growth compared to 414.08 BU same period last year," said Coal India in a statement.

As compared to a pre-pandemic April-November 2019, the growth in power generation from CIL's coal is 16% when dispatch to power plants was 292.88 MTs. This translates to a generation of 437.13 BU.

"Dispelling the notion that the recent mismatch between unprecedented coal demand and supply may have affected the power output, domestic coal-based power generation at 641.87 BU in fact grew by 19.8% during April-November '21 on a year-on-year comparison. Of this generation, CIL's coal accounted for 79%," said a senior executive of the company.

The company also informed that power generation by 14 plants that source coal from overseas, fell by 42.7%.

***Date*:** 10-12-2021
***Publication*:** The Political and Business Daily
***Edition*:** Odisha

Don't foresee any coal shortage till March 2022: CIL Chairman

NEW DELHI, DEC 9

COAL India Ltd (CIL) on Thursday said it does not foresee any shortage of dry fuel for power producers till March 2022 as it is focusing on ramping up production to secure a stock of about 70 million tonne by end of the current fiscal.

Around 100 million tonne of pithead stock, which was carried forward from the last fiscal, was "not desired" but it helped the miner meet requirements when coal demand went up a few months ago, an official said.

"We don't foresee any challenge for coal till March for supplying to power stations as we are ramping up production so that we can add around 40 million tonne to the stock to achieve a desirable stock level of 70 million tonne by the year-end," Coal India chairman Pramod Agrawal said at an e-conclave organised by the Bengal Chamber of Commerce and Industry.

He said the last quarter saw "high" output, and issues related to the production of Central Coalfields Ltd and Bharat Coking Coal Ltd are also getting resolved.

The Maharatna PSU produced 125.83 million tonne of coal in the July-September quarter, up from 114.98 million tonne in the year-ago period. – PTI

***Date*:** 10-12-2021
***Publication*:** The Times of India
***Edition*:** Mumbai

Output up, no coal shortage after Dec: CIL

TIMES NEWS NETWORK

Kolkata: No coal shortage is expected after December as Coal India (CIL) has increased production "substantially" and operationalised some captive mines, the state-owned company's chairman Pramod Agarwal said at a Bengal Chamber of Commerce event. He said that in the last four months, coal imports have also come down.

Agarwal said that as of March-end, the coal giant was owed Rs 20,000 crore by power companies. However, the amount due from power utilities has come down to Rs 12,000 crore now. "We have devised a formula for new payments: You pay two-thirds for what you take and the rest one-third would be adjusted with dues," he said.

Coal secretary Anil Kumar Jain said that the Centre would bring the coal sector under the national monetisation pipeline even as it has relaxed norms for coal block bidding.

The government was looking at monetising the first-mile connectivity (FMC) projects and railway projects. "FMC should be outsourced, we are for outright sale of CERL (Chhattisgarh East Railway,)," he said.

CIL has earmarked Rs 14,000-crore investments in two phases by 2025 for the FMC projects and Rs 19,650 crore for the railway projects by 2024 to enhance evacuation of the increased coal production.

***Date*:** 10-12-2021
***Publication*:** Dainik Jagran
***Edition*:** Dhanbad

एक हजार मीटर नीचे खनन की तैयारी में है कोल इंडिया

जासं, धनबाद : कोकिंग कोल में घरेलू उत्पादन बढ़ाने को लिए कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया को विशेष प्लान के तहत रोड मैप तैयार करने को कहा है। स्देश में सबसे अधिक कोकिंग कोल का भंडार धनबाद कोयलांचल क्षेत्र में है। बीसीसीएल करीब 29 मिलियन टन कोकिंग कोल का उत्पादन करती है।

वहीं देश के 15 राज्यों में कोयला का भंडार है। सबसे अधिक कोयला का भंडार झारखंड में है। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार मौजूदा समय में 3,19,020 बिलियन टन कोयला का भंडार देश में है। जो 1200 मीटर नीचे है। अब भी करीब चार से पांच सौ मीटर तक ही कोयला खनन किया जा रहा है। आने वाले समय में कोल इंडिया में एक हजार मीटर नीचे तक जाकर कोयला खनन करने की तकनीक पर अध्ययन शुरू हो गया है।

1200

मीटर नीचे देश में है 3,19,020 बिलियन टन कोयला का भंडार, इसका होगा खनन

15

राज्यों में है कोयले का भंडार, इसका किया जाएगा खनन

29

मिलियन टन कोयला का उत्पादन बीसीसीएल में

शून्य खान दुर्घटना करने को लेकर शुरू हुआ प्रशिक्षण

जासं, धनबाद : खान दुर्घटना में कमी लाने की दिशा में तैयारी की जा रही है। श्रमिकों को खान दुर्घटना की घटना को चल चित्र के माध्यम से भी दिखाकर उसके रोकथाम के लिए बताया जा रहा है। बीसीसीएल सेफ्टी विभाग की टीम ने बरोरा क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत कर दी है।

***Date*:** 10-12-2021
***Publication*:** The Hindu Business Line
***Edition*:** Trivandrum

Coal stocks comfortable till March: CIL chief

'But there could be some problem in July-Aug if production is not ramped up'

OUR BUREAU
Kolkata, December 9

The shortage of coal at thermal plants, which had triggered fear of massive power outages recently, could once again pose a problem if Coal India Ltd does not ramp up its production.

According to Pramod Agrawal, Chairman and Managing Director, CIL, there is not likely to be any challenge (of short supply) till March next year. However, there may be some problem in July-August 2022 if production is not increased.

"There is no challenge till March but I am foreseeing there may be some problem in July-August next year if we do not increase the production significantly. We have increased our production but it is in the range of about 5 per cent which is 21 million tonnes (mt) whereas despatches have increased by up to 54 mt," Agrawal said at the Minerals, Mining and Metals e-conclave organised by The Bengal Chamber of Commerce & Industry here on Thursday.

Spike in electricity demand

It is to be noted that in early October this year, coal stock at a number of thermal power plants were at low levels with as many as 107 stations having three days' stock left as on October 3. The low coal stock was mainly attributed to the sudden spike in electricity demand on the back of a revival in economy. The heavy rains during the peak producing months of August-September also impacted production and despatch of coal. This apart, non-payment of coal dues from states also resulted in inadequate supplies. Coal stocks at power plants, which had dropped to as low as 7.28 mt as on October 9, have improved to 18.8 mt as on December 7. This is expected to further increase to 40-45 mt by February-March next year.

"There are many factors which compounded the problem – Covid, extended rainfall, lower stock at power houses and increasing prices of international coal. If all these factors again affect then there could be problem but that probability to me looks slightly low. The way we are increasing our production and despatches I feel at power houses the stock will be higher than 40 mt so there will be a cushion. In February-March, we are able to ramp up our production very quickly so we should be able to achieve a stock level of 30-40 mt. I feel that there will be 70-75 mt stock at our end and 40-45 mt at power house," he said.

There are many factors which compounded the problem – Covid, extended rainfall, lower stock at power houses and increasing prices of international coal.

PRAMOD AGRAWAL,
Chairman and Managing Director, CIL

CIL's supplies

Meanwhile, coal supplied from Coal India's sources propelled nearly 23 per cent growth in coal fired power generation of the country during April-November 2021 compared to same period last year.

CIL's despatches to coal based power plants rose steeply to 340 mt during the said period an increase of 62.6 mt, against 277.4 mt for comparable period last year.

As a thumb rule specific coal consumption of 0.67 kg, that is the quantity of coal required to generate one unit of power, CIL's coal helped generate 507.46 billion units (BU) of power during the referred period spurring 23 per cent growth compared to 414.08 BU same period last year. This is higher than the growth of overall domestic coal-based generation including despatches from sources other than CIL.

Even when measured against a pre-pandemic April-November'19, the growth in power generation from CIL's coal is 16 per cent when despatch to power plants was 292.88 mt. This translates to a generation of 437.33 BU.

"Dispelling the notion that the recent mismatch between unprecedented coal demand and supply may have affected the power output, domestic coal-based power generation at 641.87 BU in fact grew by nearly 20 per cent (19.8 per cent) during April-November'21 on a year-on-year comparison. Of this generation, CIL's coal accounted for 79 per cent," a senior company official said in a press statement.

Power generation

Coal-based power generatinn by 14 thermal plants in the country, which source their coal from overseas, fell by nearly 43 per cent to 30.04 BU during this period from 52.40 BU of last year.

The scaling down in generation was due to soaring international coal prices. Domestic coal-based power plants had stepped in to meet the gap where CIL supplied around 20 mt of additional coal.

***Date*:** 10-12-2021
***Publication*:** Mint
***Edition*:** Ahmedabad

Pramod Agrawal
Chairman, Coal India

We don't foresee any challenge for coal till March for supplying to power stations as we are ramping up production so that we can add around 40 mt to the stock to achieve a desirable stock level of 70 mt.

***Date*:** 11-12-2021
***Publication*:** Hindustan Hindi
***Edition*:** Ranchi

बॉक्साइट खनन की तैयारी में कोल इंडिया

धनबाद। सौर ऊर्जा के साथ-साथ कोल इंडिया अब बॉक्साइट खनन की तैयारी में है। ओड़िशा से इसकी शुरूआत होगी। बॉक्साइट खनन के साथ-साथ कोल इंडिया एक अल्युमिनियम प्रोजेक्ट स्थापित करने की भी योजना बना रही है।

यह संकेत कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने कोलकाता में एक कांक्लेव को संबोधित करते हुए कही। मौके पर मौजूद कोल इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोल इंडिया की विविधिकरण योजना (डायवर्सिफिकेशन प्लान) को केंद्र ने मंजूरी दे दी है।

अब कोल इंडिया कोयले से इतर अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से पांव पसारने की दिशा में प्रयासरत है। कई सोलर प्रोजेक्ट में कंपनी बड़ी रकम निवेश कर रही है।